प्रेस विज्ञप्ति

सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन

सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 10 तथा 12 के विद्यार्थियों के उचित मार्गदर्शन हेतु करियर काउंसलिंग सेशन का आयोजन किया गया। सेंट जॉन्स स्कूल सदा ही अपने विद्यार्थियों के लिए कुछ नया और बेहतर करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय में "इनलाईटन' नामक एक सेशन रखा। जिसे ज़ूम के प्लेटफार्म पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महान शिक्षाविदों मनोवैज्ञानिकों तथा समाज में उच्च पदों पर आसीन अधिकारी पैनल में उपस्थित थे। जिनमें जानी-मानी मनोवैज्ञानिक श्रीमती पूनम देवदत्त ,मि0 विकास सौदाई (पूर्व छात्र सेंट जॉन्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल) रीजनल पी0.एफ0. कमिश्नर नई दिल्ली में कार्यरत हैं। डॉक्टर उमंग मित्तल (उत्तर भारत के जाने-माने कैंसर सर्जन है।) जिन्होंने अपनी मेडिकल की शिक्षा एल.एल.आर.एम. मेडिकल कॉलेज मेरठ से ग्रहण की, तथा ये सर्जरी में गोल्ड मेडल प्राप्त किए हैं। डॉक्टर मित्तल ब्रेस्ट कैंसर, आंतों तथा गर्भाशय कैंसर के स्पेशलिस्ट हैं। वर्तमान में आप मेरठ कैंसर संस्थान के चीफ हैं। तथा अपने क्षेत्र में एक ख्याति प्राप्त व्यक्ति हैं। मेजर जनरल राजीव एडवर्ड (पूर्व-छात्र सेंट जॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल) ये 64 वीं बटालियन के लिए 1981 में चयनित किए गए। इन्हें इनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए विशिष्ट सेवा मेडल से दो बार सम्मानित किया गया। वर्तमान में ये पंजाब यूथ ट्रेनिंग और रोजगार विभाग में डायरेक्टर जनरल के पद पर आसीन हैं। मिस अंशु त्यागी (पूर्व छात्रा सीनियर सेकेंडरी स्कूल) तथा वर्तमान में मेरठ क्षेत्र में जज लोकपाल, हैं। इन्हें अध्ययन, यात्राएं तथा दूसरों की मदद करना बेहद पसंद है। डॉक्टर शिशिर शोर्थिया (पूर्व छात्र सेंट जॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल) काउंसलर ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एंबेसी ऑफ इंडिया, मैं कार्यरत है। आप रूस के मास्को में कार्यरत है।

ये सभी पैनलिस्ट अपने अपने क्षेत्र के महारथी हैं जिन्होंने अपने प्रयासों के बल पर समाज को एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कोरोना काल में जबकि छात्र लगभग पांच-छह महीने से घर पर हैं ऐसे समय में उनके लिए इस प्रकार की वेबीनार आयोजित कर सेंट जॉन्स ने बालकों के हित तथा उनके उचित मार्गदर्शन तथा मनोबल को बढ़ाने के लिए एक सराहनीय प्रयास किया है। तथा देश तथा समाज के महान प्रतिभाशाली तथा सफल व्यक्तियों के साथ वार्तालाप ने उन्हें प्रेरणा से भर दिया। छात्रों ने बढ़-चढ़कर इस सेमिनार में भाग लिया तथा प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत भी किया।

कक्षा 10 के छात्रो रितिका, दीप्ती, अर्जुन, सोम्य,आदि ने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे तथा अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया।

कक्षा 12 से नितिन, आयुष, मुस्तफा, मानसी, रितिक, ऋषिका, मानसी अस्तित्व आदि ने विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न जॉब्स के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा छात्रों ने कहा कि पूर्व जॉनियन्स की भांति हम भी अपने योगदान के द्वारा देश तथा समाज की सेवा करेंगे तथा देश तथा सेंट जॉन्स का नाम रोशन करेंगे।

डॉक्टर उमंग मित्तल ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सबसे महान है |

डॉक्टर के लिए मन की शक्ति के साथ-साथ शारीरिक बल और स्वस्थ होना भी आवश्यक है और कोरोना काल में तो हाइजीन का महत्व और अधिक बढ़ गया है, उन्होंने बताया कि डॉक्टर के पास कई ऑप्शन होते हैं खुद की प्रैक्टिस करने के साथ-साथ किसी दूसरे हॉस्पिटल में भी नौकरी कर सकते हैं |

इसके लिए कक्षा 10 के बाद कक्षा 12 तक पीसीबी की पढ़ाई करनी होती है और उसके बाद मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम में पास होना होता है और ग्रेजुएशन के बाद भी पोस्ट ग्रेजुएशन करने के लिए एंट्रेंस देना पड़ता है जिसके बाद आप बी डी एस, एम एस, एम डी, एम बी बी एस ,फिजिशियन ,सर्जन ,आई स्पेशलिस्ट ,न्यूरोलॉजिस्ट ,हार्ट स्पेशलिस्ट ,आदि बन सकते हैंमित्तल ने बताया कि डॉ की मूल आवश्यकता दूसरों की मदद करने की भावना होनी चाहिए किसी भी पेशे को चुनने के पीछे धन की भावना ना होकर सेवा की भावना होनी चाहिए उन्होंने बताया कि डॉ को प्रत्येक दिन सीखने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है |और मेडिसिन में न्यू टेक्नोलॉजी से खुद को अपडेट रखना पड़ता है तथा दिन के 24 घंटे काम करने के लिए भी तैयार होना पड़ता है |और डॉक्टर किसी सैनिक की ही तरह होता है सैनिक देश की सीमा पर देश की रक्षा कर रहा होता है और डॉक्टर देशवासियों की सेवा कर रहा होता है|

मेजर जनरल राजीव एडवर्ड ने बताया कि जिस काम को आप प्यार करते हैं उसी काम को करियर के रूप में अपनाना चाहिए और और उन्होंने विद्यार्थियों को कुछ लिंक भी बताएं जिसके माध्यम से छात्र नेवी एयर फोर्स और आर्मी जॉइन कर सकता है

उन्होंने बताया कि एनडीए के माध्यम से आर्मी जॉइन करने के लिए 12वीं के बाद एंट्रेंस देना पड़ता है और इनके सिलेक्शन कपूरथला, बैंगलोर ,भोपाल, आदि में होते हैं। एनडीए के बाद 1 साल की ट्रेनिंग के बाद छात्र कमीशन होता है। एनडीए की प्रवेश परीक्षा देने के लिए कक्षा 12 में 70% अंक होना अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को देश में 10 ऐसे कॉलेजों के नाम भी बताएं जो इंडियन आर्मी द्वारा चलाए जाते हैं। जिसमें आर्मी मेडिकल कॉलेज भी कार्यरत है। तथा 2018 में देश का पहला आर्मी लॉ कॉलेज भी खुला है।

वेबीनार में आगे डॉक्टर शिशिर सोरतिया मॉस्को से ऑनलाइन थे। जिन्होंने बच्चों को युवाओं की जिम्मेदारियों से अवगत कराया और कहा कि भारत जैसे महान देश में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है ,और इस महामारी के समय में हमें देश में तीन पहलुओं इकोनामिक ग्रोथ, एनवायरनमेंट ,और सोसाइटी, पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए ,ताकि देश को विश्व की अग्रणी श्रेणी में खड़ा किया जा सके। उन्होंने बताया कि आप किसी भी पेशे में क्यों ना हो देश आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए और अपनी कार्यकुशलता को बढ़ाना चाहिए ।उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार देने योग्य होना चाहिए उन्होंने बताया कि सरकार भी युवाओं को व्यवसायी बनाने पर अधिक जोर दे रही है। ताकि देश को अंबानी जैसे व्यवसायी मिल सके।

वेबीनार में आगे डॉक्टर विकास सौदाई ने अपने विचार रखे और उन्होंने बताया कि किस प्रकार से आप क्लास वन ऑफिसर बन सकते हैं कैसे आईएएस आईपीएस आदि की नियुक्ति होती है इसके लिए यूपीएससी का एंट्रेंस पास करना होता है, सिविल सर्विस के माध्यम से आईएएस, पीसीएस ,इंडियन फॉरेन सर्विस के द्वारा पोस्ट किए जाते हैं। सिविल सर्विस के लिए आपको परीक्षा की तैयारी करने के लिए राजनीति विज्ञान, सामान्य विज्ञान, इतिहास ,भूगोल, गणित,आदि के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की बहुत अच्छी तैयारी करनी पड़ती है ,और करंट अफेयर्स से अपडेट रहना होता है और इसमें रिजनिंग ,एप्टिट्यूड आदि की भी बहुत अच्छी तैयारी करनी पड़ती है ।किसी भी भारतीय भाषा तथा अंग्रेजी भाषा का भी पूर्ण ज्ञान होना अनिवार्य है उन्होंने बताया कि सीमा सशक्त बलों में भी हम किस प्रकार से प्रवेश कर सकते हैं

विकास जी ने कहा कि सेंट जॉन्स का तो उद्देश्य ही है समाज को होनहार तथा प्रतिभाशाली नागरिक देना।

वेबीनार में आगे बोलते हुए शहर की जानी मानी मनोचिकित्सक डॉक्टर पूनम देवदत्त जी ने अपने विचार रखे, जो कि शोभित यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर पद पर आसीन है। उन्होंने बताया कि मानवीय व्यवहार का अध्ययन करने के लिए मनोविज्ञान में प्रवेश लेना अनिवार्य है मनोविज्ञान की अनेक शाखाएं हैं जिसमें बाल मनोविज्ञान के साथ-साथ अब औद्योगिक मनोविज्ञान भी पढ़ाया जाता है ,और इसमें अध्ययन किया जाता है कि किस प्रकार से उद्योगों को आगे बढ़ाया ।जाए ।और उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों का उद्योगपति तथा उद्योग पति के साथ कर्मचारियों का कैसा व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने बताया कि न्यूरो साइकोलॉजी में भी मैं भी रोजगार के अच्छे अवसर बने हैं। और इसके अलावा क्लीनिकल मनोविज्ञान में भी जॉब अपॉर्चुनिटी बहुत ज्यादा है इसमें इसमें व्यक्ति की मानसिक समस्याओं का विश्लेषण करके उसका सही उपचार किया जाता है ।उन्होंने बताया कि 130 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में ऐसी नौकरियों की अत्यंत आवश्यकता है। और इसमें आप कक्षा 12 में मनोविज्ञान के बाद ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट करके नौकरिया प्राप्त कर सकते हैं | श्रीमती पूनम देवदत्त ने कहा कि छात्रों को अपनी रूचि के अनुसार ही विषयों का चयन करना चाहिए ताकि वे भविष्य में अपनी पूरी ऊर्जा तथा प्रतिबद्धता के साथ देश तथा समाज को लाभान्वित कर सकें।

वेबीनार में जज लोकपाल मिस अंशु त्यागी जी ने अपने विचार रखे और उन्होंने बताया कि किस प्रकार से हम न्यायिक व्यवस्था का एक हिस्सा बन सकते हैं उन्होंने कहा कि अदालत एक प्रकार से न्याय का मंदिर ही है जहां आम जनमानस को न्याय प्राप्त होता है|

उन्होंने बताया कि न्यायिक व्यवस्था समाज की रीढ़ है और यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है न्यायिक व्यवस्था का मुख्य कार्य समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखना है जिससे लोकतंत्र की रक्षा हो सके उन्होंने बच्चों को बताया कि किस प्रकार से पी.सी.एस जे के माध्यम से इन सेवाओं में प्रवेश लिया जा सकता है |

जज लोकपाल मिस अंशु त्यागी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए बताया कि किस प्रकार से कौन सी प्रवेश परीक्षा देकर जज और वकील बन सकते हैं ।

वेबीनार में सेंट जॉन्स के अध्यापक मिस्टर बी एस रावत ने अपने विचार रखे और उन्होंने बताया कि आईटी में जॉब अपॉर्चुनिटी कितनी अधिक हैं इसके द्वारा आप सॉफ्टवेयर डेवलपर, सॉफ्टवेयर टेस्टर ,नेटवर्किंग, तथा डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग आदि स्ट्रीम्स में भी नौकरियां प्राप्त कर सकते हैं|

वेबीनार में सेंट जॉन्स के ही अध्यापक मिस्टर एच एम पांडे ने अपने विचार रखे, और उन्होंने बताया कि किस प्रकार से आर्किटेक् बनने के लिए उन्होंने कुछ कॉलेजेस के नाम बताएं, और बच्चों को बताया कि किस प्रकार से इस फील्ड में आप नौकरियां प्राप्त कर सकते हैं

मरीन इंजीनियरिंग में भी उन्होंने कुछ कॉलेजों के नाम बताएं जहां से बच्चे अपनी पढ़ाई कर सकते हैं।

मेडिकल मैं उन्होंने बताया कि पीडीएस एमबीबीएस एमडी फिजियो थेरेपी नर्सिंग के द्वारा आप इस फील्ड में अपनी मनपसंद नौकरी प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्रीमती चन्द्रलेखा जैन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया तथा छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सेंट जॉन्स ने सदा ही समाज में अपना योगदान दिया है तथा आगे भी हम अपने प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा की करोना काल में अपनी सकारात्मक ऊर्जा को सही ढंग के साथ प्रयोग करने को छात्रों को प्रेरित किया। विद्यार्थियों के उचित मार्गदर्शन हेतु इस वेबिनार का आयोजन किया गया तथा विद्यार्थी अपनी रूचि के अनुसार अपने लिए आगे की पढ़ाई निर्धारित कर सकें और उनके मन में आने वाली सभी शंकाओं का समाधान किया जा सके।

वेबीनार में डॉक्टर सुमोना जैन तथा मिस्टर विजेंद्र ने कुशल मंच संचालन किया | डॉक्टर सुमोना जैन ने भी बीच-बीच में बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए उचित मार्गदर्शन किया और यथा योग्य नौकरियां प्राप्त करने के लिए भी कुछ सुझाव दिए |